ज खेती किसानी के साथ-

देने की घोषणा की।

छायाचित्र में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल

की घड़ी में ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंगत आत्मा को

शुक्ला (आई.ए.एस.) शामिल हुए।

हिन्दी विभाग खरसिया में मनाई गई रेणु व अज्ञेय जयंती

» छात्रों को ही मुख्य अतिथिए अध्यक्ष बनाकर मंचासीन किया गया

खरसिया@किरणदूत

शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया का हिन्दी विभाग पूरे छत्तीसगढ़ मे ऐसे विभिन्न कवि.लेखको की जयंती मनाने मे सुविख्यात हैए जो एम ए हिन्दी के पाठ्यक्रम में समाहित होते हैं। इस कड़ी में दिनांक 04 मार्च 2024 को विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ. रमेश टण्डन के निदेर्शन में फणीश्वर नाथ रेणु जन्म 04 मार्च और स. ही. वा. अज्ञेय जन्म 07 मार्च की जयंती हिन्दी विभाग के छात्रो ने मनाई।

रेणु जयंती की संयोजक प्रो. कुसुम चौहान एवं अज्ञेय जयंती की संयोजक प्रो. अंजना शास्त्री के मागर्दशर्न में सवर्प्रथम मंचासीन छात्र-छात्राओं ने माँ शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके जयंती का गणेश किया। सुनिता मिरी एवं बुबुन घृतलहरे छत्तीसगढ़ राज्य गीत की प्रस्तुति दी।

छाया राठौर के मंच संचालन में रेणु जयंती के मंचासीन छात्र मुख्य अतिथि रितिक साहू, अध्यक्ष श्रेया सागर, विशिष्ट अतिथि चतुष्टय शशिकला महंत, कविता साहू, मुकेश कुमार व बुबुन घृतलहरे एवं अज्ञेय जयंती के छात्र मुख्य अतिथ प्रकंज डनसेना, अध्यक्ष छाया डनसेना, विशिष्ट अतिथि रूखमणी राठिया, गणेशी राठिया, देविका राठिया, अम्बिका राठिया, मनीषा

डनसेना, अचर्ना राठौर के स्वागत उपरान्त इन सभी मंचासीन छात्रो ने संयोजक के द्वारा आबंटित अलग.अलग शीषर्को पर भाषण दिया।

द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में शामिल प्रसिद्ध आंचलिक उपन्यास मैला आँचल के लेखक फणीश्वर नाथ रेणु की जयंती के लिए द्वितीय सेमेस्टर के छात्रो को मंच प्रदान किया गया और इन्होंने रेणु के समग्र व्यक्तित्व, कृतित्व एवं साहित्यिक अवदान पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। इसी तरह चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में समाहित प्रयोगवाद के प्रवतर्क व 1943 में तार सप्तक के संपादक सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय के सम्पूर्ण व्यक्तिगत एवं साहित्यगत परिचय इन छात्रों से प्राप्त हुआ।

छात्रों के सर्वांगीण विकास, विषय के प्रति ज्ञान अभिवृद्धि, वाक्तृत्व कला विकास एवं मंचीय कर्तव्य बोध की दिशा मे कार्य करने के उपरान्त विभागीय शिक्षको मे प्रो. अंजना शास्त्री, प्रो. कुसुम चैहान तथा डॉ. आर के टण्डन ने भी विषय पर विस्तृत प्रकाश डाला।

अंत में दोनो ही साहित्यकारों पर अपनी बात रखते हुए छात्रा यामिनी राठौर ने छात्र अतिथियों तथा शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। मंचासीन छात्रों के अतिरिक्त व्यवस्थापक छात्रों एवं विभागीय छात्रों में रोहित कुमार चन्द्रा, भूपेन्द्र राठिया, हेमलता सिदार, राजेश्वरी, पिंकी साहू, सुनिता मिरी, छाया राठौर, यामिनी राठौर आदि की गरिमामय एवं सार्थक उपस्थिति रही।